बिहार विधान सभा वाक्वृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बृहस्पतिवार, तिथि २८ मार्च, १९५७ को २ बजे अपराह्न में माननीय अध्यक्ष, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—महाशय, मैं गत सप्तम् (फरवरी—अप्रील, १९५५) सत्र के रुके हुए शेष १९३ अतारांकित प्रश्नों में से १-प्रश्न का उत्तर मेज पर रखता हूं।

गिरीडीह सबडिवीजन के कुछ थानों के सिपाहियों का विवरण।

६४०। श्री पुनीत राय—क्या मुख्य मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) गिरीडीह सबडिवीजन के धनवार, बिरनी, गांवा, सतगांवा, देवरी, जमुआ, बेंगाबाद, गान्डे, गिरीडीह, पीरटांड, डुमरी, नवाडीह तथा बिरनी थानों में कहां कितने सिपाही रहते हैं;

(ख) सिपाहियों के रहने, भोजन बनाने, सोने के लिये चौकी एवं मनोरंजन के लिये कहां क्या-क्या प्रबन्ध है, एवं कहां-कहां प्रबन्ध की त्रुटी है, एवं उस त्रुटी की पूर्त्ति के लिये सरकार क्या सोच रही है;

(ग) जाड़े से बचने के लिये सिपाहियों को कौन-कौन गर्म कपड़े दिये जाते हैं, एवं कितने-कितने दिनों पर दिये जाते हैं;

(घ) सिपाहियों को कौन-कौन कपड़े दिये जाते हैं?

(ङ) क्या सरकार बतलायेगी कि इन उपरोक्त थानों के सभी सिपाहियों को सभी कपड़े समयानुसार एवं नियमानुसार दिये जा चुके हैं, अगर नहीं, तो कहां-कहां नहीं दिया गया है एवं क्यों नहीं दिया गया?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) ब्योरे नीचे दिये जाते हैं:—

धनवार	६
बीरनी	८
जमुआ	६
बेंगाबाद	६
गान्डे	६
गिरीडीह शहर	६
गिरीडीह मुफस्सिल	६
पीरटांड	६
डुमरी	६
नावाडीह	६

(ख) यहां सिपाहियों के रहने के लिये बैरकें और रसोई बनाने के लिये रसोईघर हैं। प्रत्येक सिपाही को एक चारपाई दी गयी है।

पूर्णिया जिले में कपड़े का वितरण।

४९० । श्री वोकाय मंडल—क्या राजस्व मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया जिला में १९५५ के जून तक कपड़ा ५३ गांठ, कम्बल ३६ गांठ और ५२ खंड तथा जाकिट ऊनी १४५ खंड मुफ्त बांटे गये थे;

(२) उपरोक्त कपड़े अररिया सबडिवीजन में कितना बांटे गये और फारविसगंज तथा नरपतगंज थाने में कितना बांटे गये ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(१) पूर्णिया जिला में कपड़े और कम्बल के वंटवारे का ब्योरा निम्न प्रकार है :—

धोती-साड़ी ६१ गांठ, १३,२८४।। जोड़े, कम्बल ५० गांठ ३८ खंड जोड़, जवाहर जाकिट १४७ खंड, ऊनी कोट २ खंड—

मजरी कमीज—४३९ गांठ ।

कमीज—२,२४६ खंड ।

(२) अररिया सबडिवीजन, नरपतगंज एवं फारविसगंज थानों में बांटे गये कपड़ों का विवरण निम्नलिखित हैं :—

(१) (क) अररिया सबडिवीजन—धोती और साड़ी—३८ गांठ ।

(२) कम्बल—९ गांठ ।

(३) जवाहर कोट—२६ खंड ।

(४) इसके अतिरिक्त मजरी कमीज भी बांटी गयी ।

(ख) नरपतगंज एवं फारविसगंज थानों में २२ गांठ ३,३६६ जोड़ी धोती एवं साड़ी बांटे गये ।

मंत्री तथा उप-मंत्रियों पर दिये गये खर्च का ब्योरा ।

४९१ । श्री रामानन्द तिवारी—क्या मंत्री, वित्त विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) १९५४ से लगायत १९५५ दिसम्बर माह तक प्रति मंत्री, उपमंत्री और सभा सचिवों के बंगले पर कितने रुपये दरी, कालीन, गमला, फर्निचर आदि तथा मालियों पर खर्च हुए;

(२) प्रति मंत्री, उप-मंत्री तथा सभा सचिव पर १९५४ से १९५५ दिसम्बर तक फाउन्टेनपेन और अखबार (दैनिक साप्ताहिक एवं मासिक) पर कुल कितने रुपये व्यय हुए ?

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—(१) और (२) इस सम्बन्धत का एक ब्योरा नीचे दिया गया है ।

सन् १९५४ से लगायत १९५५ दिसम्बर माह तक प्रति मंत्री, उप-मंत्री और संसद सचिवों के बंगले पर दरी, कालीन, गमला, फर्निचर आदि तथा मालियों पर हुए व्यय का विवरण।

मंत्री, उप-मंत्री तथा संसद सचिव का नाम।	दरी, कालीन, गमला और पर्दा का व्यय (क)।			माली पर का व्यय (ख)।			फर्निचर पर का व्यय (ग)।			दरी, कालीन, पर्दा फर्निचर तथा माली पर व्यय (क), (ख), (ग)।			फाउन्टेनपेन तथा अख-बार पर का व्यय।			अभ्युक्ति।
१	२			३			४			५			६			७
	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	रु०	आ०	पा०	
मंत्रीगण।																
१। डा० श्रीकृष्ण सिंह।	०	०	०	४,६००	०	०	०	०	०	४,६००	०	०	२५०	४	०	
२। डा० अनुग्रह नारायण सिंह।	७५०	०	०	९६०	००	०	७३८	०	०	२,४४८	०	०	१,२०७	१२	०	
३। श्री रामचरित्र सिंह।	०	०	०	९६०	०	०	३४५	०	०	१,३०५	०	०	१,३६३	६	६	
४। श्री आचार्य बदरी नाथ वर्मा।	०	०	०	०	०	०	५६४	८	०	५६४	८	०	७६१	२	६	
५। श्री कृष्णवल्लभ सहाय।	०	०	०	९६०	०	०	७१५	०	०	१,६७५	०	०	८१९	१०	६	
													१९९	६	०	(क) फाउन्टेन पेन का व्यय।

६ । श्री महेश प्रसाद सिंह	० ० ०	९६० ० ०	० ० ०	९६० ० ०	१,०५२ १० ६	
७ । श्री दीपनारायण सिंह ।	० ० ०	९६० ० ०	२५० ० ०	१,२१० ० ०	८६६ १० ६	
८ । श्री शिवनन्दन प्रसाद मंडल ।	० ० ०	९६० ० ०	० ० ०	९६० ० ०	९०९ ५ ६ ९९ ११ ०	(फ)
९ । श्री शाह मुहम्मद उजैर मुनेमी ।	० ० ०	८४० ० ०	० ० ०	८४० ० ०	१,२४६ ९ ६	
१० । स्वर्गीय श्री महम्मद शफी ।	० ० ०	८०० ० ०	० ० ०	८०० ० ०	४३८ ११ ०	
११ । श्री भोला पासवान ।	० ० ०	८४० ० ०	० ० ०	८४० ० ०	१,०७८ २ ६	
१२ । श्री हरिनाथ मिश्र ।	० ० ०	९६० ० ०	० ० ०	९६० ० ०	१,५१५ १३ २ ८९ ० ०	(फ)
१३ । श्री अब्दुल क्यूम अंसारी ।	० ० ०	० ० ०	१,१६३ ११ ३	१,१६३ ११ ३	६२६ १४ ६ १०७ ३ ३	(फ)
१४ । श्री देवशरण सिंह (भूतपूर्व मंत्री) ।	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	- १५ २ ०	

सन् १९५४ से लगायत १९५५ दिसम्बर माह तक प्रति मंत्री, उप-मंत्री और संसद सचिवों के बंगले पर दरी, कालीन, गमला, फर्निचर आदि तथा मालियों पर हुए व्यय का विवरण ।

मंत्री, उप मंत्री तथा संसद सचिव का नाम ।	दरी, कालीन, गमला और पर्दा का व्यय (क) ।	माली पर का व्यय (ख) ।	फर्निचर पर का व्यय । (ग) ।	दरी, कालीन, पर्दा फर्निचर तथा माली पर व्यय (क), (ख), (ग) ।	फाउन्टेनपेन तथा अखबार पर का व्यय ।	अभ्युक्ति।
१	२	३	४	५	६	७
उप-मंत्रीगण ।	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०	
१ । श्री निरापद मुखर्जी ।	० ० ०	८४० ० ०	१,४१९ ० ०	२,२५९ ० ०	८५१ १२ ६	
२ । श्री वीरचन्द पटेल ।	० ० ०	९६० ० ०	१,८०८ ० ०	२,७६८ ० ०	६७६ १२ ६	
३ । श्री अ० अ० महम्मद नूर ।	० ० ०	९६० ० ०	१,५६५ ० ०	२,५२५ ० ०	१,१४३ – ९ ६	
संसद सचिव ।						
१ । श्री चन्द्रिका राम राम ।	३२६ १३ ०	० ० ०	६८५ ० ०	१,०११ १३ ०	२२६ ४ ० ०	
२ । श्री देवेन्द्र महथा ।	०० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	
३ । श्री भागीरथ सिंह ।	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	० ० ०	

तारांकित प्रश्नोत्तर

(२५ मार्च,